PG/IIIS/HIN-301/19

MA 3rd Semester Examination, 2019

HINDI

PAPER—HIN-301

Full Marks : 40

Time : 2 hours

The figures in the right-hand margin indicate marks

Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable

Illustrate the answers wherever necessary

1. निम्नलिखित में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के अतिसंक्षिप्त उत्तर लिखिए : 2×4

   (*क*) "आँख के अंधों और गाँठ के पूरो की तलाश
   आपको भी उतनी है, जितनी मुझको ।"

   — इसके श्रोता-वक्ता कौन हैं ?

   (*ख*) '*बाणभट्ट की आत्मकथा*' के अतिरिक्त पं. हजारीप्रसाद द्विवेदी कृत और दो उपन्यासों के नाम लिखिए ।

(*ग*) 'मैला आँचल' में आये चार टोलियों के नाम लिखिए ।

(*घ*) ''वह एक रुण्ड-मुण्ड पेड़ के पास खड़ा होकर गाँव की ओर देखने लगा ...'' — 'वह' कौन है ? जिस गाँव का जिक्र है उसका नाम क्या है ?

(*ङ*) 'रेहन पर रग्घू' उपन्यास के आरंभ में किस महीने तथा कौन से समय का उल्लेख है ?

(*च*) 'मैला आंचल' उपन्यास के पात्र मार्टिन साहब के घोड़े और उनकी पत्नी के नाम बताइये ।

(*छ*) भट्टिनी के और क्या-क्या नाम हैं ?

(*ज*) ''यही पैसे हैं, यही इनका गोदान है ।'' — यह उक्ति किसकी है और किसके प्रति है ?

2. निम्नलिखित में से किन्हीं *चार* प्रश्नों के यथानिर्देश उत्तर दीजिए : 4 × 4

(*क*) पंडित नोखेराम ने होरी की जमीन पर बेदखली का दावा क्यों कर दिया ? संक्षेप में लिखिए ।

(*ख*) ''इतने दिनों से साथ हूँ, उसके चरित्र में मैंने कहीं कलुष नहीं देखा । वह हँसमुख है, कृतज्ञ है, मोहिनी है,

लीलावती है — ये क्या दोष हैं ? मेरा चित्त कहता है कि दोष किसी और वस्तु में है, जो इन सारे सद्गुणों को दुर्गुण कहकर व्याख्या करा देती है ।''

— इस अवतरण का निहितार्थ स्पष्ट कीजिए ।

(*ग*) 'मैला आँचल' उपन्यास में आये प्रसंग के आधार पर बताइये कि नीलयुग का अंत कैसे हुआ ?

(*घ*) ''उसे बार-बार एहसास होता जैसे बहुत दूर से उसे कोई आवाजें दे रहा है । यह आवाज बिलकुल अपरिचित थी और वह चौंककर बार-बार उठता-बैठता था । फिर ऐसी स्थिति हो गई कि उदासी और नींद में भी भेद मिटने लगा ।''

— इस अवतरण का ससन्दर्भ विश्लेषण कीजिए ।

(*ङ*) ''गाँव ही नहीं, पास पड़ोस में भी कहीं विवाद होता तो एक पंच के रूप में किसी न किसी पार्टी की ओर से वह भी होते ! यह अलग बात है कि वे मामला सुलझाने के बजाय और उलझा कर आते ।''

— इस अवतरण की सप्रसंग व्याख्या करें ।

(*च*) सुचरिता की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए ।

(छ) लेकिन दरिद्रता में जो एक प्रकार की अदूरदर्शिता होती है, वह निर्लज्जता जो जकाजे, गाली और मार से भी भयभीत नहीं होती, उसने उस प्रोत्साहित किया ।

— इस अवतरण का आशय समझाकर लिखिए ।

(ज) 1942 का जन आन्दोलन है क्या ? इसका प्रसंग किस उपन्यास में आया है ? इसके महत्त्व पर संक्षिप्त चर्चा कीजिए ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं *दो* प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 8 × 2

(क) "बाणभट्ट की आत्मकथा' अपनी समस्त औपन्यासिक संरचना और भंगिमा में कथाकृति होते हुए भी महाकाव्य की गरिमा से पूर्ण है ।" — विवेचन कीजिए ।

(ख) " 'धरती धन न अपना' एक गाँव के बहाने सम्पूर्ण भारतीय ग्रामीण जीवन की व्यथा-कथा है ।" — इस कथन की पुष्टि कीजिए ।

(ग) 'मैला आंचल' का समूचा कथावृत्त अपनी रोचकता और मार्मिकता में व्यापक लोकरूपों को आत्मसात किए हुए है ।" कैसे ? प्रमाणपुष्ट उत्तर दीजिए ।

(घ) 'गोदान' की वर्तमान प्रासंगिकता पर विचार कीजिए ।